विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 16, वर्ष 5, अंक 51
माह - मार्च 2023, मूल्य : निःशुल्क

पौधारोपण

विचार समिति और धर्म रक्षा संगठन द्वारा 500 पौधों का रोपण

हथकरघा

यह कपड़ा गर्मियों में ठंडा और सर्दियों में गर्म होता है

गोमय उत्पाद

गोबर से बन रहीं हैं सुंदर घड़ियां, मोमेंटो

प्रोत्साहन

स्कूली बच्चों के लिए निःशुल्क जूते-चप्पल, डायरी और पेन दिये

समिति महिलाओं को कर रही है डिजीटल दुनिया में सशक्त

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष

सुनीता अरिहंत
कार्यकारी अध्यक्ष

सौरभ रांधेलिया
उपाध्यक्ष

आकांक्षा मलैया
सचिव

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयाँश जैन
मार्गदर्शक

गुलज़ारी लाल जैन
मार्गदर्शक

प्रदीप रांधेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

डॉ. स्वप्निल बी. मंत्री
मार्गदर्शक

रोजगार की अवधारणा एवं भारत के संदर्भ में रोजगार की स्थिति

- अदिति मिश्रा
मार्गदर्शक, रोजगार सृजन केंद्र, सागर (म.प्र.)

सरल शब्दों में रोजगार का आशय आय के स्रोत से है, दूसरे शब्दों में आजीविका या जीवन यापन के लिए आवश्यक साधन जैसे - भोजन, वस्त्र, घर, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि पर खर्च करने के लिए पैसा कमाने हेतु नियमित रूप से किए जाने वाला कार्य रोजगार कहलाता है।

आधुनिक समय में रोजगार के कई क्षेत्र हैं। नौकरीपेशा से लेकर सरकारी नौकरी, बहुराष्ट्रीय कंपनियां, निजी फर्म व्यवसाय, ऑनलाइन व्यवसाय, छोटे-बड़े उद्योग, कामगार आदि कई क्षेत्र हैं। यदि हम भारत के परिपेक्ष में बात करें तो देश में रोजगार की संभावनाओं की कमी का बड़ा कारण हमारी तेजी से बढ़ती आबादी है। देश में रोजगार के क्षेत्र और अवसर असंख्य हैं, लेकिन अनियंत्रित बढ़ती आबादी के कारण प्रत्येक व्यक्ति को नौकरी देना अब संभव नहीं है।

दूसरा बड़ा कारण कौशल प्रशिक्षण की कमी है। हमारे देश में निपुण व्यावसायिक प्रशिक्षण की कमी है, केवल बुनियादी शिक्षा से सरकारी नौकरियों तक रोजगार मिलता रहेगा। देश के युवाओं को व्यवासायिक शिक्षा दी जाए तो नौकरी के विकल्प वे खुद पैदा कर सकते हैं। रोजगार को हम आज तीन भागों में समझते हैं-

- स्वरोजगार
- सरकारी नौकरी
- प्राइवेट नौकरी

स्वरोजगार-

स्वरोजगार का अर्थ है स्वयं अपने लिये रोजगार का सृजन करना। एक व्यक्ति अपना स्वयं का कार्य शुरू करता है इसमें पारंपारिक स्वरोजगार जैसे - कृषि, व्यवसाय एवं पारिवारिक व्यवसाय के रूप है।

बेरोज़गारी में वृद्धि तथा नौकरियों के पर्याप्त अवसर न मिलने के कारण स्वरोजगार का महत्व अधिक हो गया है। भारत सरकार ने देश में रोजगार का सृजन करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। इनमें देश को आत्मनिर्भर बनाने और रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए बनाई गई विभिन्न दीर्घकालिक योजनाएं/कार्यक्रम/नीतियां शामिल हैं।

स्वरोजगार के क्षेत्र -

छोटे पैमाने का फुटकर व्यापार, व्यक्तिगत निपुणता के आधार पर सेवाएं प्रदान करना, पेशागत योग्यताओं पर आधारित व्यवसाय, छोटे पैमाने की कृषि, ग्रामीण एवं कुटीर उद्योग, कला एवं काश्तकारी/शिल्प आदि।

सरकारी नौकरियां -

केंद्र और विभिन्न राज्यों की सरकारों द्वारा समय-समय पर विभिन्न शैक्षिक योग्यताओं के अनुसार सरकारी नौकरियों के भर्ती विज्ञापन जारी किए जाते हैं। इन सरकारी नौकरियों के लिए चयन परीक्षा का आयोजन कई बार सम्बन्धित विभाग द्वारा ही किया जाता है, तो कई विभागों की संयुक्त रिक्तियों को विभिन्न चयन बोर्ड/आयोग द्वारा आयोजन किया जाता है।

इन चयन परीक्षाओं की कठिनाई का स्तर और चयन प्रक्रिया के चरणों का निर्धारण उन पदों के लिए वांछनीय योग्यता, मानदंडों और घोषित रिक्तियों के सापेक्ष अपेक्षित उम्मीदवारों की संख्या के अनुसार निर्धारित किया जाता है। सरकारी नौकरी के अंतर्गत, यूपीएससी, बैंक, रक्षा, रेलवे, एससएसी, राज्य सेवा, पीएससी, शिक्षक से लेकर विभिन्न प्रकार की नौकरियां आती हैं।

सरकारी नौकरी में निश्चित समय, वेतन एवं कार्य होता है। सरकार द्वारा निश्चित विभागीय संबंधी योग्यताएं तय की गई है।

प्राइवेट नौकरी -

प्राइवेट नौकरी ऐसी कंपनी होती है जिसके अंदर सरकार के हस्तक्षेप के बिना काम किया जाता है। काम करने वाले कर्मचारी को उसका भुगतान कंपनी या उसका फाउंडर करता है। इस प्रकार की नौकरी को प्राइवेट नौकरी कहते हैं साथ ही टेम्परारी जॉब भी कहा जाता है। बता दें कि भारत में अब भी बस 3.54% लोग ही ऑर्गनाइज्ड प्राइवेट सेक्टर में जॉब करते हैं, जबकि 42% जनसंख्या अभी भी कृषि और उससे जुड़े अन्य क्षेत्रों पर ही निर्भर हैं। प्राइवेट नौकरी में दो प्रकार की कंपनियां होती हैं एक लिमिटेड कंपनी तो दूसरी प्राइवेट लिमिटेड। पब्लिक लिमिटेड कंपनी एक ऐसी कंपनी को कहा जाता है जो कि एक मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होती है और सार्वजनिक रूप से कारोबार करती है जबकि प्राइवेट लिमिटेड कंपनी एक ऐसी कंपनी होती है जो स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं होती है और इसका मालिकाना हक़ इसके मालिकों के पास रहता है। प्राइवेट नौकरियों के मुख्य लाभों में से एक यह लाभ यह है कि वे अक्सर सरकारी नौकरियों की तुलना में अधिक वेतन प्रदान करते हैं । इसके अलावा, निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को बोनस और अन्य प्रोत्साहन अर्जित करने का अवसर मिलता है। यह उन लोगों के लिए फायदेमंद हो सकता है जो अधिक आय अर्जित करना चाहते हैं।

निष्कर्ष -

केवल देश में रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाना ही रोजगार की समस्या को समाप्त नहीं किया जा सकता है। इसके लिए हमें शिक्षा से लेकर हमारी व्यवस्था में एक नये तंत्र को अपनाना होगा। जिससे निरंतर युवा आगे बढ़ सकें। ऐसा करके देश में बेरोजगारी की समस्या को खत्म किया जा सकता है साथ ही देश की अर्थव्यवस्था और हमारे जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार किया जा सकता है।

2022-23 के बजट में उठाए गए कदम

आत्म निर्भर भारत के लिए 14 क्षेत्रों में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) से फार्मास्यूटिकल्स, चिकित्सा उपकरण, बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण, खाद्य उत्पाद, सौर ईवी, ऑटो मॉड्यूल ऑटो कंपोनेंट्स, एसीसी बैटरी और टेक्सटाइल उत्पाद सेवाएं जैसे 6 करोड़ का रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। आधुनिक रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करने से निर्माण और निर्माण क्षेत्र में रोजगार के अधिक अवसर सृजित होंगे। अपस्किलिंग, रीस्किलिंग और क्रॉस-स्किलिंग के लिए विश्व स्तरीय डिजिटल विश्वविद्यालय और ई-पोर्टल की स्थापना, भारत को डिजिटल युग में प्रतिभा के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

आगे की राह :-

राष्ट्रीय आय में उद्योगों और सेवाओं की बढ़ती संख्या रोजगार सृजन में उल्लेखनीय वृद्धि के अभाव के कारण 'जॉबलेसीकरण' उदारीकरण के बाद भारत के उद्योग की प्रमुख समस्या है। यह आर्थिक विकास और विकास के पारंपरिक दृष्टिकोण की प्रासंगिकता पर एक गंभीर प्रश्न चिह्न लगाता है। जैसे कि आर्थर लुईस का ड्वेट क्षेत्र मॉडल (दोहरी क्षेत्र मॉडल) कृषि से उद्योग में श्रम बल के बड़े पैमाने पर विस्थापन पर केंद्रित है। कुछ लोकतांत्रिक तर्क यह है कि हमें उद्योग के नेतृत्व वाले विकास मॉडल के लिए प्रयास करने की अपनी रणनीति पर जुड़ाव और कृषि (प्राथमिक क्षेत्र) में आकर्षण, लाभकारी और लाभकारी रोजगार सृजित करने के लिए कृषि-घोषणा आर्थिक मॉडल को अपनाना चाहिए। यह जानकारी इंटरनेट स्त्रोतों से ली गई है।

ध्यान जागृति की प्रक्रिया है : कपिल मलैया

ध्यान स्थिर रखना सीखें

भावों और विचारों के संतुलन के साथ श्वास पर ध्यान केंद्रित करें, अपने आप को प्रकृति के अनुरूप महसूस करें। ध्यान आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति है, हमें इसे अपने दैनिक जीवन में सम्मिलित करना चाहिए।

वर्तमान भौतिकतावादी युग में एक ओर जहां हम विज्ञान द्वारा विकास की दृष्टि से उन्नति के शिखर पर पहुंच रहे हैं वहीं दूसरी ओर आध्यात्मिक रूप से हमारा पतन परिलक्षित हो रहा है। आज मनुष्य के खान-पान, आचार, व्यवहार में सभी में परिवर्तन होने से उसका स्वास्थ्य दिन प्रतिदिन गिरता जा रहा है। यह कहते हुए समिति अध्यक्ष एवं आर्ट ऑफ़ लिविंग योग प्रशिक्षक कपिल मलैया ने ग्राम डुंगासरा, रामसरोज पैलेस, राजीव नगर वार्ड, रानीपुरा आदि स्थानों पर प्रातः काल जाकर व्यायाम एवं ध्यान से लोगों को जोड़ा। पहले व्यायाम के माध्यम से शारीरिक गतिविधियों में जिसमें सूर्यनमस्कार को मंत्रों के उच्चारण के साथ करवाया एवं ध्यान की प्रक्रिया में सभी को जोड़ते हुये उन्होंने कहा “ध्यान जागृति की प्रक्रिया है”। ध्यान यह शब्द सुनने में तो सरल लगता है और कदाचित सत्य भी यही है।

लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है कि कहीं पढ़कर अथवा सुनकर मात्र एक ही दिन में आप ध्यान करना सीख गए। इसके लिए निरंतर अभ्यास की जरूरत होती है। श्वास हमारी चेतना का मुख्य स्रोत है। श्वास लेने और छोड़ने की क्रिया ही हममें चेतना निर्मित करती है। इसे इस तरह समझें – श्वास लेने (सांसो पर ध्यान) पर हम सजगता की नई ऊर्जा प्राप्त करते हैं मगर सांसों पर नियंत्रण जाने से यह सजगता भी चली जाती हैं।

ध्यान के सामान्य नियम

- जोर जबरदस्ती ना करें
- आरामदायक आसन चुनें
- ध्यान के लिए समय सीमा निर्धारित करें
- मन का भटकना स्वाभाविक है
- प्रयास जरूरी है

सागर की धरती पर बन रहा प्रदेश का पहला गौ सेवा धाम हॉस्पिटल

गौ सेवा जैसी सेवा कोई और नहीं : मलैया

विचार समिति और धर्म रक्षा संगठन द्वारा 500 पौधों का हुआ रोपण

वृक्षारोपण करते हुए विधायक प्रदीप लारिया एवं संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया

गौ माता की रक्षा और पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सागर की धरती पर प्रदेश का पहला गौ सेवा धाम हॉस्पिटल ग्राम पगारा, भैंसा में बनाया जा रहा है। यह हॉस्पिटल धर्म रक्षा संगठन सभी के सहयोग से संचालित करेगी। इसी तारतम्य में विचार समिति और धर्म रक्षा संगठन द्वारा 500 पौधों का रोपण किया गया।

इस अवसर पर नरयावली विधायक प्रदीप लारिया ने कहा कि यह दोनों संस्थाएं गौ माता एवं प्रकृति संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। इस धाम की सफलता के लिए हम पूर्ण रूप से सहयोग करेंगे।

विचार समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि गौ सेवा धाम हॉस्पिटल जैसी सेवा कोई और नहीं। हॉस्पिटल परिसर में विचार समिति एवं सहयोगी संस्थाओं द्वारा 500 पौधों का रोपण किया गया। जिसमें अमरूद, आंवला, सीताफल, नीबू, अशोक, जासौन, टिकोमा आदि के पौधे लगाए गए।

उन्होंने कहा कि विश्व का लगभग 33 प्रतिशत भाग रेगिस्तान है एवं नए शोधों से पता चला है कि इसमें निरंतर वृद्धि हो रही है। हम सभी को इस समस्या से निपटने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाकर उनका संरक्षण करें। धर्म रक्षा संगठन के अध्यक्ष सूरज सोनी ने कहा कि स्व. हरनाम सिंह राठौर हमारे प्रेरणा स्त्रोत हैं उनकी स्मृति में हॉस्पिटल परिसर में कल्पवृक्ष का पौधा लगाया गया है। अभी तक प्रदेश में गायों की गौ शालाएं तो हैं लेकिन गौ हॉस्पिटल नहीं है।

सागर जिले में कहीं भी गायों की दुर्घटना होती है तो उन्हें लाकर उनका इलाज होगा एवं दुर्घटना में गाय का पैर भी यदि कट जाता है तो दिल्ली के संस्थान से कृत्रिम पैर मंगाकर लगाया जाएगा। इसके प्रथम चरण बाउंड्री वाल का कार्य पूर्ण हो चुका है। द्वितीय चरण में टीन शेड बनवाएंगे और जल्द ही सभी के सहयोग से गायों के इलाज के लिए हॉस्पिटल शुरू किया जाएगा।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, मुख्य संगठक नितिन पटैरिया कल्पवृक्ष की पूजा करते हुए।

अशोक सिंह बामोरा ने कहा कि गौ सेवा धाम हॉस्पिटल के लिए हम पूर्ण रूप से सहयोग करेंगे। विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि वृक्षारोपण का मुख्य अर्थ छोटे पौधों को पेड़ों का एक अलग स्वरूप प्रदान करने की प्रक्रिया होती है, इसीलिए छोटे-छोटे पौधे लगाकर अलग-अलग स्थान पर उनको रोपित किया जाता है। वृक्षारोपण करने का एक मुख्य कारण यह भी है कि जितनी अधिक संख्या में वनों की कटाई हो रही है, इससे वृक्षारोपण के द्वारा वनों को बढ़ावा मिल जाएगा। भू निर्माण और भूमि सुधार देखने को मिलेगी। उन्होंने बताया कि समिति ने सभी सहयोगियों से अपील की कि परिसर में पौधा लगाकर गौ सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण में अपना सहयोग दें। इस कार्य में सभी विचार सहयोगियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। उन्होंने सभी का आभार माना।

समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने बताया कि पेड़ पौधे मनुष्य के लिए तो जीवनदायिनी होते हैं इसके अलावा पेड़ पौधों से जंगली जानवर पशु पक्षी भी सुरक्षित होते हैं। पेड़ पौधों पर अधिकतर पक्षी अपना घोंसला बनाते हैं। पेड़ पौधों के द्वारा मनुष्य को फल-फूल, लकड़ी जैसी बहुत सी उपयोगी चीजें मिल जाती हैं। इसीलिए अधिक से अधिक संख्या में वृक्षारोपण करने के लिए कहा जाता है।

वृक्षारोपण अधिक संख्या में करने से ना केवल समस्त मानव जाति बल्कि जीव जंतु को जीवित रहने और शांति प्रदान करने के लिए भी अति आवश्यक है। पर्यावरण में जैव विविधता को बनाए रखने के लिए भी वृक्षारोपण बहुत जरूरी है। पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए जैव विविधता बहुत जरूरी हो गया है।

समिति मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा कि वृक्षारोपण में फलदार पौधों को लगाया गया ताकि निकट भविष्य में गौ सेवा धाम हॉस्पिटल का भरण पोषण पेड़ों में लगने वाले फलों के विक्रय से किया जा सके। उन्होंने बताया कि वृक्षारोपण का सबसे बड़ा महत्व पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखना है। इसके लिए अत्यधिक संख्या में पेड़ लगाना बहुत जरूरी है। पृथ्वी का एक बहुत बड़ा हिस्सा जंगलों का हुआ करता था लेकिन आधुनिकरण की वजह से वन की हो रही अंधाधुंध कटाई से अत्यधिक पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है। इसलिए विचार समिति के माध्यम से वृक्षारोपण के लिए जोर दिया जाता है। इस अवसर पर रोटरी क्लब से अनिल चंदेरिया, दीप्ती चंदेरिया, इंजीनियर फोरम से राजेश सैनी, पं. ओमप्रकाश मिश्रा, सौरभ रांधेलिया, प्रीति मलैया, इंदू चौधरी, अखलेश समैया, धवल कुशवाहा, मनोज जैन, आकाश हार्डवेयर उपस्थित थे।

क्या कभी आपने सोचा था, गोबर से बन सकेंगी सुंदर घड़ियां और मोमेंटो

समिति द्वारा बनाए जा रहे गोमय उत्पाद

आज के परिपेक्ष्य में गाय के गोबर के प्रति जो विस्मृति हुई है या गोबर का परिचय जो सीमित हुआ है, उसके विशाल परिचय का एक छोटा सा भाग यह कि गोबर से हम बहुत ही सुन्दर गोमय उत्पाद बना सकते है। जिसमें घड़ियां, मोमेंटो, धूपबत्ती, दिये आदि। यह संभावना नहीं बल्कि अब वास्तविकता बन चुकी है। कई सुन्दर डिजायनों के साथ यह घड़ियां घरों, मंदिरों, कार्यालयों या अन्य स्थानों पर लगा सकते है। इसके साथ ही इन उत्पादों के लिए जन्मदिवस, शादी की सालगिरह, सम्मान, शुभअवसरों इत्यादि पर भेंट कर सकते हैं।

आज रोजगार जैसी विकराल समस्या से निपटने में सहयोग मिलेगा। घर पर रहकर ही लोगों को रोजगार मिले, इसी उदेश्य के साथ गोमय उत्पादों पर काम किया जा रहा है।

इस कार्य में समिति के मोहल्ला परिवारों के साथ स्वसहायता समूह की महिलाएं कार्य कर रही हैं। अगर हम लकड़ी इस्तेमाल करते हैं तो पेड़ काटते है, प्लास्टिक का इस्तेमाल करते हैं तो प्रदूषण होता है। प्लास्टिक हर साल औसत 8.6% की दर से बढ़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में जैसे-जैसे प्लास्टिक का प्रयोग बढ़ा है, वैसे-वैसे इसकी वजह से परेशानी भी बढ़ी है। हमारे शहरों की नालियां और तालाब इत्यादि कचड़े से भरे हुये हैं। पशु-पक्षी और प्राणी इसकी कीमत चुका रहे हैं। स्थूल जीवन और पर्यावरण को प्लास्टिक से जो नुकसान हो रहा है। इन सभी समस्याओं के निवारण हमें ही खोजने होंगे, अधिक से अधिक इको-फ्रेंडली उत्पादों को अपने जीवन में शामिल करें। इन उत्पादों को समिति कार्यालय या बेवसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

हथकरघा : यह एक बहुमुखी कपड़ा है, जो गर्मियों में ठंडा और सर्दियों में गर्म होता है

समिति हथकरघा बुनकरों को प्रशिक्षण एवं उनके द्वारा बनाए गए कपड़ों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

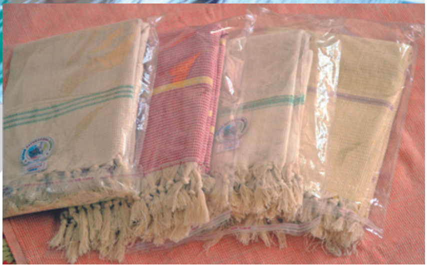

हथकरघा वस्त्र और हथकरघा बुनकर भारत की समृद्ध संस्कृति, विरासत और परंपरा का एक अभिन्न अंग है। यह एक बहुमुखी कपड़ा है, जो गर्मियों में ठंडा और सर्दियों में गर्म होता है। खादी के कपड़े जैसे धोती, कुर्ता और हथकरघा साड़ियों, बूटीदार साड़ी, हथकरघा कपड़े, रुमाल, शर्ट के कपड़े, तौलिया, टविल, शॉल, चादर रंगबिरंगे बनाये जा रहे है। खादी का उपयोग करके लोकप्रिय कपड़े बनाए जाते हैं । विविध रंगों, आंखों को सुकून देने वाली डिजायनें, चमचमाते रूपों और शानदार ताना बाना और उनकी खूबसूरत बुनावट इन कपड़ों में एक विशिष्ट आकर्षण पैदा कर देती हैं। समिति हथकरघा सहायक भाग्यश्री राय कहती है कि महिलाओं को कुशल बनाने का प्रशिक्षण निरंतर दिया जा रहा, लोगों में जागरूकता से इसे बढ़ावा मिलेगा।

तेजी से आ रहे बदलावों के बावजूद, कला एवं करघा परंपराएं कलाकारों और शिल्पकारों की कई पीढ़ियों के सतत प्रयासों के कारण अब तक जीवित रही हैं जिन्होंने अपने सपनों एवं उद्देश्यों को उत्कृष्ट हथकरघा उत्पादों में पिरोया और अपने कौशलों को अपनी आने वाली पीढ़ियों तक रूपांतरित किया। स्वास्थ्य रूप से यह कपड़े चर्मरोग को समाप्त करने में बहुत ही लाभकारी है।

पर्यावरण : प्रकृति पर सभी जीवों का समान अधिकार है : मधु मौर्य

आपको ऐसे कई लोग मिल जायेगे, जो शहरों में रहते हुए छत पर सब्ज़ी उगाना या बाग़वानी कर रहे है। लेक़िन, हमारे सामने एक ऐसा परिवार है जिन्होंने सागर शहर में रहते हुए अपने घर को ही जंगल के रूप में तब्दील कर लिया। हम बात कर रहे है समिति समन्वयक मधु उमेश मौर्य की। अपने घर के चहुंओर अमरूद, नीबू, आंवला, केले, पपीता, केला, इमली, मुनगा सहित कई किस्मों के पौधों को लगाया है।

पेड़-पौधों का ध्यान कैसे रखते है : इन पेड़-पौधों को स्वास्थ्य बनाने में उन्होंने हर तरह से ऑर्गनिक/ जैविक तरीकों का इस्तेमाल किया है। खाद बनाने के लिए वह अपने घर के गीले कचरे और सूखे पत्तों तथा टहनियों का इस्तेमाल करते हैं। उनका कहना है कि उनके घर से कोई भी जैविक कचरा बाहर नहीं जाता है बल्कि वह बाहर पड़े सूखे पत्तों को भी इकठ्ठा कर खाद बनाने के उपयोग में लेते हैं।

पर्यावरण और जीवों के साथ कैसे बनाया सामंजस्य : हमें यह समझना होगा प्रत्येक प्राकृतिक तत्व भावों को समझते है। वह चाहें पेड़ हो या पशु पक्षी। अगर वह आपके पास सुरक्षित महसूस करते आप उनका ध्यान रखते हो तो वह निश्चित तौर पर आपसे जुड़ेंगे। प्राकृतिक परिवेश में यहां कई प्रकार की तितलियां और पक्षी भी आते हैं। हमारे घर 4 वर्ष से एक तोता आता है। उसे किसी भी प्रकार के पिंजड़े में नहीं रखते पूर्ण स्वतंत्र रखते है। वह खाना-खाता और शाम तक चला जाता। हमारे पास दिनभर खेलता। कई प्रकार के पक्षी हर दिन आते, वे पारिवारिक सदस्यों की तरह उनका खाने-पीने का ख्याल रखती हैं

फलों को बेचते नहीं है - उमेश मौर्य कहते है मौसमी फलों को बेचते नहीं है, हम भी खाते है।

मधु मौर्य ने अपने घर में कई किस्मों के पौधे लगाए

सभी पक्षी खाते उन सभी के खाने के उतने ही अधिकार हैं जितने हम सभी के। हमें भूख लगने पर बोल-कह सकते। संग्रहण करके इतना रखते है कि साल भर कोई समस्या नहीं होती। परन्तु अन्य जीवों के साथ ऐसा नहीं है। उन सभी का ध्यान हमें ही रखना होगा।

आज बाज़ारवाद किस तरह जीवन को प्रभावित कर रहा है : मधु जी कहती कि आज चीजों की सही जानकारी के आभाव में लोग अनावश्यक चीजों का उपयोग कर रहे है जैसे मान लीजिये एलोवेरा घर पर उगाकर उपयोग किया जा सकता। मेंहदी के पौधे से प्राकृतिक रूप से बालों को चमकदार बनाया जा सकता है। इसी प्रकार बहुत से औषधीय पौधे है जो स्वास्थ्यवर्धक होते है।

प्रकृति के लिए सिर्फ हल्ला और चिंता करने से कुछ नहीं होगा : असल में हमारी छोटी-छोटी कोशिशें भी प्रकृति में बड़े बदलाव का जरिया बन सकती हैं। पेड़-पौधे लगायें, प्राकृतिक वातावरण में रहें। अधिकांश समस्याएं स्वत: ही समाप्त हो जाएगी।

विचार समिति से जुड़े 10 वर्ष हो चुके है। अमित मौर्य कहते समिति द्वारा पर्यावरण के लिए बहुत ही जागरूकता से कार्य किया है। योग, रोज़गार के लिए हथकरघा, गोबर दिया परियोजना, जैविक खेती के लिए प्रोत्साहन, जैविक खाद, आदर्श घर, मोहल्ला विकास योजनाएं निश्चित तौर पर जितना कहा जाये कम है। आप सभी को मेरी शुभकामनाएं।

विचार समिति एवं लीफी द्वारा चलाया जा रहा 'स्कूल चलें हम' अभियान

शासकीय स्कूलों में अभिभावक की बैठक, बच्चों को वितरण किये नि:शुल्क जूते- चप्पल

स्कूली बच्चों के लिए दिल्ली के व्यवसायी सुमित जी ने भेजे जूते एवं चप्पल एवं समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने बच्चों को डायरी एवं पेन दिये।

विचार समिति एवं लर्निंग इनीशिएटिव फॉर इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में स्कूल चलें हम अभियान चल रहा है। इस अभियान के अंतर्गत पहली बार संयुक्त रूप से बच्चों के साथ उनके माता-पिता ने कक्षा अभिभावक की बैठक में भाग लिया। परियोजना सहायक पूजा लोधी ने बच्चों के माता-पिता से उनके द्वारा घर पर बच्चों के सीखने-सिखाने में समय देने की बात पूछी। स्कूल चले हम अभियान के माध्यम से उनके बच्चों में आए परिवर्तन के बारे में जाना। रतनगंज निवासी सीमा यादव ने कहा कि हमारे बच्चे पहले स्कूल नहीं जाते थे, अब नियमित रूप से स्कूल जाते हैं। घर आकर पढ़ते हैं, हम सभी से पूछते हैं।

शिक्षक शिवानी पटेल का कहना है कि मुझे बच्चों के माता-पिता से मिलकर काफी प्रसन्नता हुई। बच्चों के माता-पिता के ऐसे कई सवाल थे, जिन्हें जाना। अधिकांश माता-पिता का कहना था कि वे पढ़े-लिखे नहीं है, तो हम बच्चों को नहीं पढ़ा पाते। इसका जवाब देते हुए वे कहती हैं कि बच्चे सब कुछ जानते हैं। आप उनकी जिज्ञासाओं का सही मायनों में उत्तर दें। उन्हें आगे की बेहतर राह बनाने के लिए प्रेरित करें। माता-पिता से बड़ा दूसरा कोई गुरु नहीं होता। जब उन्होंने पूछा कि बच्चे यहां से जाकर घर पर पढ़ते हैं अथवा नहीं, तो उन्होंने कहा कि नियमित रूप से घर पर भी पढ़ने लगे हैं। दिल्ली के व्यवसायी सुमित जी ने स्कूली बच्चों के लिए नि:शुल्क जूते-चप्पल भेजें एवं साथ ही समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने बच्चों के लिए डायरी-पेन दिये। विचार कार्यालय में साप्ताहिक शिक्षकों की मीटिंग हुई जिसमें उनके शिक्षण कौशलों, विधियों के विकास पर जोर दिया गया।

समिति के माध्यम से गूंज फाउंडेशन द्वारा भेजे गए स्टेशनरी, बैग और कपड़े बच्चों को वितरित किए

संत रविदास वार्ड में स्कूली बच्चों को कपड़े, बैग एवं स्टेशनरी वितरित की।

गूंज फाउंडेशन 18 वर्षो से "कोई भी गरीब बिना कपड़ों के न रहे" उद्देश्य के साथ कार्यरत है। पहले कपड़ों की धुलाई, सिलाई उसके बाद पैकिंग और कपड़ों के बैग, अन्य सामग्री बनायी जाती है। यह किट सामाजिक क्षेत्रों से जुड़े हुए संस्थानों एवं लोगों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, पर्यावरण, आपदा राहत और पुनर्वास आदि क्षेत्रों में पहुंचाई जाती है। गूंज फाउंडेशन ने समिति के माध्यम से किट भेजी है। जिसमें आसन, बैग, स्टेशनरी, आदि सामग्री है। किट समिति पहली कक्षा से तीसरी कक्षा के बच्चों को दी जा रही है।

महिला स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए क्वेस्ट एलाइंस 15000 रुपये समिति से जुड़ी महिलाओं को देगी

क्वेस्ट एलाइंस संस्थान द्वारा समिति से जुड़ी महिलाओं के लिए स्वरोजगार स्थापन के लिए प्रशिक्षण दिया गया था। स्वरोजगार स्थापित करने के नियम, आवश्यकता, बाजार स्थिति, व्यवहार कुशलता के साथ आत्मविश्वास को बढ़ाना। इन सभी महिलाओं में से 7 महिलाओं को चयनित कर स्वरोजगार को बढ़ाने के लिए सिलाई, ब्यूटी पार्लर, जर्नलस्टोर, कपड़े की दुकान आदि के लिए 15000 रूपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 20-02-2023

गौसंरक्षण • विचार समिति और धर्म रक्षा संगठन ने किया भूमिपूजन, 500 पौधों का भी रोपण

सागर में बन रहा प्रदेश का पहला गौ सेवा धाम हॉस्पिटल

भास्कर संवाददाता | सागर

गौमाता की रक्षा और पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सागर की धरती पर प्रदेश का पहला गौसेवा धाम हॉस्पिटल भैंसा के पास स्थित ग्राम पगारा में बनाया जा रहा है। हॉस्पिटल का संचालन धर्म रक्षा संगठन के सहयोग से होगा। रविवार को हॉस्पिटल का भूमिपूजन कर संगठन और विचार समिति के तत्वावधान में 500 पौधों का रोपण किया गया।

इस मौके पर नरयावली विधायक प्रदीप लारिया ने कहा कि दोनों संस्थाएं गौ माता एवं प्रकृति संरक्षण के लिए सराहनीय कार्य कर रही हैं। इस धाम की सफलता के लिए पूर्ण सहयोग किया जाएगा। धर्म रक्षा संगठन के अध्यक्ष सूरज सोनी ने कहा कि स्व. हरनाम सिंह राठौर की स्मृति में हॉस्पिटल परिसर में कल्पवृक्ष का पौधा लगाया गया है। अभी तक प्रदेश में गौशालाएं तो हैं, लेकिन गौ हॉस्पिटल नहीं है। जिले में कहीं भी गायें दुर्घटनाग्रस्त होती हैं तो उन्हें अस्पताल लाकर इलाज किया जाएगा। दुर्घटना में यदि गाय का पैर कट जाता है तो दिल्ली के संस्थान से कृत्रिम पैर मंगाकर लगाया जाएगा। प्रथम चरण में अस्पताल की बाउंड्रीवॉल का कार्य पूर्ण हो चुका है। द्वितीय चरण में टीन शेड बनवाए जाएंगे। जल्द ही हॉस्पिटल शुरू किया जाएगा। अशोक सिंह बामोरा ने भी सहयोग देने का आश्वासन दिया। विचार की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने समिति के सभी सहयोगियों से परिसर में पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की अपील की थी। मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा कि पौधारोपण में फलदार पौधों को लगाया गया है ताकि निकट भविष्य में हॉस्पिटल के संचालन में पेड़ों में लगने वाले फलों के विक्रय से मदद मिल सके। कार्यक्रम में प्रीति मलैया, अनिल चंदेरिया, दीप्ति चंदेरिया, राजेश सैनी, पं. ओमप्रकाश मिश्रा, सौरभ रांधेलिया सहित दोनों संगठनों के सदस्य मौजूद थे।

गौ सेवा जैसी सेवा कोई और नहीं: कपिल मलैया

विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि गौ सेवा धाम हॉस्पिटल जैसी सेवा कोई और नहीं। हॉस्पिटल परिसर में विचार समिति एवं सहयोगी संस्थाओं द्वारा 500 पौधों का रोपण किया गया है। इनमें अमरूद, आंवला, सीताफल, नीबू, अशोक, जासौन, टिकोमा आदि के पौधे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व का लगभग 33 प्रतिशत भाग रेगिस्तान है एवं नए शोधों से पता चला है कि इसमें निरंतर वृद्धि हो रही है। इस समस्या से निपटने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाकर संरक्षण करें।

हरिभूमि भोपाल - सागर भूमि 20 Feb 2023

सागर की धरती पर बन रहा प्रदेश का पहला गौसेवा धाम हॉस्पिटल

गौसेवा धाम हॉस्पिटल जैसी सेवा कोई और नहीं : मलैया

विचार समिति और धर्म रक्षा संगठन के लोगों ने 500 पौधों का किया रोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सागर

गौमाता की रक्षा और पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सागर की धरती पर प्रदेश का पहला गौ सेवा धाम हॉस्पिटल ग्राम पगारा, भैंसा में बनाया जा रहा है। यह हॉस्पिटल धर्म रक्षा संगठन सभी के सहयोग से संचालित करेगी। इसी तारतम्य में विचार समिति और धर्म रक्षा संगठन द्वारा 500 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर नरयावली विधायक प्रदीप लारिया ने कहा कि यह दोनों संस्थाएं गौ माता एवं प्रकृति संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। इस धाम की सफलता के लिए हम पूर्ण रूप से सहयोग करेंगे। विचार समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि गौ सेवा धाम हॉस्पिटल ... परिसर में विचार समिति एवं सहयोगी संस्थाओं द्वारा 500 पौधों का रोपण किया गया। जिसमें अमरूद, आंवला, सीताफल, नीबू, अशोक, जासौन, टिकोमा आदि के पौधे लगाए गए। उन्होंने कहा कि विश्व का लगभग 33 प्रतिशत भाग रेगिस्तान है एवं नए शोधों से पता चला है कि इसमें निरंतर वृद्धि हो रही है। हम सभी को इस समस्या से निपटने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाकर उनका संरक्षण करें।

धर्म रक्षा संगठन के अध्यक्ष सूरज सोनी ने कहा कि स्व. हरनाम सिंह राठौर हमारे प्रेरणा स्रोत हैं ... उनकी स्मृति में हॉस्पिटल परिसर में कल्पवृक्ष का पौधा लगाया गया है। अभी तक प्रदेश में गायों की गौ शालाएं तो हैं लेकिन गौ हॉस्पिटल नहीं है। सागर जिले में कहीं भी गायों की दुर्घटना होती है तो उन्हें लाकर उनका इलाज होगा एवं दुर्घटना में गाय का पैर भी यदि कट जाता है तो दिल्ली के संस्थान से कृत्रिम पैर मंगाकर लगाया जाएगा। इसके प्रथम चरण बाउंड्री वाल का कार्य पूर्ण हो चुका है। द्वितीय चरण में टीन शेड बनवाएंगे और जल्द ही सभी के सहयोग से गायों के इलाज के लिए हॉस्पिटल शुरू किया जाएगा। अशोक सिंह बामोरा ने कहा कि गौ सेवा धाम हॉस्पिटल के लिए हम पूर्ण रूप से सहयोग करेंगे।

विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि समिति ने सभी सहयोगियों से अपील की कि परिसर में पौधा लगाकर गौ सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण में अपना सहयोग दें। इस कार्य में सभी विचार सहयोगियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। सभी का आभार माना गया।

समिति मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा कि वृक्षारोपण में फलदार पौधों को लगाया गया ताकि निकट भविष्य में गौ सेवा धाम हॉस्पिटल का भरण पोषण पेड़ों में लगने वाले फलों के विक्रय से किया जा सके।

इस अवसर पर रोटरी क्लब से अनिल चंदेरिया, दीप्ती चंदेरिया, इंजीनियर फोरम से राजेश सैनी, पं. ओमप्रकाश मिश्रा, सौरभ रांधेलिया, प्रीति मलैया, इंदु चौधरी, अखलेश समैया, धवल कुशवाहा, मनोज जैन, कसी पटेल, राजेन्द्र यादव, रिंकू यादव आदि उपस्थित थे।

गौ सेवा धाम हॉस्पिटल जैसी सेवा कोई और नहीं: कपिल मलैया

सागर की धरती पर बन रहा प्रदेश का पहला गौ सेवा धाम हॉस्पिटल

• विचार समिति और धर्म रक्षा संगठन द्वारा 500 पौधों का हुआ रोपण

अतुल्य भास्कर, सागर

गौ माता की रक्षा और पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सागर की धरती पर प्रदेश का पहला गौ सेवा धाम हॉस्पिटल ग्राम पगारा, भैंसा में बनाया जा रहा है। यह हॉस्पिटल धर्म रक्षा संगठन सभी के सहयोग से संचालित करेगी। इसी तारतम्य में विचार समिति और धर्म रक्षा संगठन द्वारा 500 पौधों का रोपण किया गया।

इस अवसर पर नरयावली विधायक प्रदीप लारिया ने कहा कि यह दोनों संस्थाएं गौ माता एवं प्रकृति संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। इस धाम की सफलता के लिए हम पूर्ण रूप से सहयोग करेंगे।

विचार समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि गौ सेवा धाम हॉस्पिटल जैसी सेवा कोई और नहीं। हॉस्पिटल परिसर में विचार समिति एवं सहयोगी संस्थाओं द्वारा 500 पौधों का रोपण किया गया।

धर्म रक्षा संगठन के अध्यक्ष सूरज सोनी ने कहा कि स्व. हरनाम सिंह राठौर हमारे प्रेरणा स्रोत हैं उनकी स्मृति में हॉस्पिटल ... अभी तक प्रदेश में गायों की गौ शालाएं तो हैं लेकिन गौ हॉस्पिटल नहीं है।

सागर जिले में कहीं भी गायों की दुर्घटना होती है तो उन्हें लाकर उनका इलाज होगा एवं दुर्घटना में गाय का पैर भी यदि कट जाता है तो दिल्ली के संस्थान से कृत्रिम पैर मंगाकर लगाया जाएगा। इसके प्रथम चरण बाउंड्री वाल का कार्य पूर्ण हो चुका है। द्वितीय चरण में टीन शेड बनवाएंगे और जल्द ही सभी के सहयोग से गायों के इलाज के लिए हॉस्पिटल शुरू किया जाएगा।

अशोक सिंह बामोरा ने कहा कि गौ सेवा धाम हॉस्पिटल के लिए हम पूर्ण रूप से सहयोग करेंगे। विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि समिति ... में पौधा लगाकर गौ सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण में अपना सहयोग दें। इस कार्य में सभी विचार सहयोगियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। उन्होंने सभी का आभार माना।

समिति मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा कि वृक्षारोपण में फलदार पौधों को लगाया गया ताकि निकट भविष्य में गौ सेवा धाम हॉस्पिटल का भरण पोषण पेड़ों में लगने वाले फलों के विक्रय से किया जा सके।

इस अवसर पर रोटरी क्लब से अनिल चंदेरिया, दीप्ती चंदेरिया, इंजीनियर फोरम से राजेश सैनी, पं. ओमप्रकाश मिश्रा, सौरभ रांधेलिया, प्रीति मलैया, इंदु चौधरी, अखलेश समैया, धवल कुशवाहा, मनोज जैन, आकाश हार्डवेयर, सोनू यादव, कसी पटेल, राजेन्द्र ...

गौ सेवा धाम हॉस्पिटल जैसी सेवा कोई और नहीं

सागर, आचरण संवाददाता।

सागर में बनेगा प्रदेश का पहला गौ सेवा धाम हॉस्पिटल

विचार समिति और धर्म रक्षा संगठन ने हॉस्पिटल परिसर में 500 पौधों का रोपण किया

पीपुल्स संवाददाता • सागर
मो.नं. 9826021098

गौ माता की रक्षा और पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सागर की धरती पर प्रदेश का पहला गौ सेवा धाम हॉस्पिटल ग्राम पगारा, भैंसा में बनाया जा रहा है। यह हॉस्पिटल धर्म रक्षा संगठन सभी के सहयोग से संचालित करेगी। इस अवसर पर विचार समिति और धर्म रक्षा संगठन द्वारा 500 पौधों का रोपण किया गया।

नरयावली विधायक प्रदीप लारिया ने कहा कि यह दोनों संस्थाएं गौ माता एवं प्रकृति संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। इस धाम की सफलता के लिए हम पूर्ण रूप से सहयोग करेंगे।

विचार समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि गौ सेवा धाम हॉस्पिटल जैसी सेवा कोई और नहीं। हॉस्पिटल परिसर में विचार समिति एवं सहयोगी संस्थाओं द्वारा 500 पौधों का रोपण किया गया। उन्होंने कहा कि विश्व का 33 प्रतिशत भाग रेगिस्तान है। इसमें निरंतर वृद्धि हो रही है। इस समस्या से निपटने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाकर उनका संरक्षण करना चाहिए।

धर्म रक्षा संगठन के अध्यक्ष सूरज सोनी ने कहा कि स्व. हरनाम सिंह राठौर हमारे प्रेरणा स्रोत हैं। उनकी स्मृति में हॉस्पिटल परिसर में कल्पवृक्ष का पौधा लगाया गया है। अभी तक प्रदेश में गायों की गौ शालाएं तो हैं लेकिन गौ हॉस्पिटल नहीं है। सागर जिले में कहीं भी गायों की दुर्घटना होती है तो उन्हें लाकर उनका इलाज होगा एवं दुर्घटना में गाय का पैर भी यदि कट जाता है तो दिल्ली की संस्थान से कृत्रिम पैर मंगाकर लगाया जाएगा। इसके प्रथम चरण बाउंड्री वाल का कार्य पूर्ण हो चुका है। द्वितीय चरण में टीन शेड बनेगा और जल्द ही सभी के सहयोग से गायों के इलाज के लिए हॉस्पिटल शुरू किया जाएगा।

इस अवसर पर अशोक सिंह बामोरा, सुनीता अरिहंत, नितिन पटैरिया, अनिल चंदेरिया, दीप्ती चंदेरिया, राजेश सैनी, पं. ओमप्रकाश मिश्रा, सौरभ रांधेलिया, प्रीति मलैया, इंदु चौधरी आदि उपस्थित थे।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 10-02-2023

आयोजन... डुंगासरा में हर घर ध्यान शिविर में 75 लोगों ने लिया हिस्सा

सागर | आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन की तरफ से मेडिटेशन इंस्ट्रक्टर कपिल मलैया ने ग्राम डुंगासरा में हर घर ध्यान शिविर का आयोजन किया। शिविर में गांव के 35 लोगों ने हिस्सा लिया। शिविर में लोगों को सूर्य नमस्कार, योगासनों और ध्यान का अभ्यास कराया गया। अधिकांश लोगों ने पहली बार ध्यान का अनुभव किया। शिविर के दौरान पाया गया कि अभी ग्रामीण क्षेत्रों में ध्यान के प्रति जागरूकता नहीं है। इस तरह के शिविर लगाए जाने की ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यकता है।

विचार समिति और धर्म रक्षा संगठन द्वारा 500 पौधों का हुआ रोपण

सागर। गौ माता की रक्षा और पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सागर की धरती पर प्रदेश का पहला गौ सेवा धाम हॉस्पिटल ग्राम पगारा, भैंसा में बनाया जा रहा है। यह हॉस्पिटल धर्म रक्षा संगठन, सभी के सहयोग से संचालित करेगी। इसी तारतम्य में विचार समिति और धर्म रक्षा संगठन द्वारा 500 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर नरयावली विधायक प्रदीप लारिया ने कहा कि यह दोनों संस्थाएं गौ माता एवं प्रकृति संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। इस धाम की सफलता के लिए हम पूर्ण रूप से सहयोग करेंगे। विचार समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि गौ सेवा धाम हॉस्पिटल जैसी सेवा कोई और नहीं। हॉस्पिटल परिसर में विचार समिति एवं सहयोगी संस्थाओं द्वारा 500 पौधों का रोपण किया गया। जिसमें अमरूद, आंवला, सीताफल, नीबू, अशोक, जासौन, टिकोमा आदि के पौधे लगाए गए। उन्होंने कहा कि विश्व का लगभग 33 प्रतिशत भाग रेगिस्तान है एवं नए शोधों से पता चला है कि इसमें निरंतर वृद्धि हो रही है। इस अवसर पर रोटरी क्लब से अनिल चंदेरिया, दीप्ती चंदेरिया, इंजीनियर फोरम से राजेश सैनी, पं. ओमप्रकाश मिश्रा, सौरभ रांधेलिया, प्रीति मलैया, इंदु चौधरी, अखलेश समैया, धवल कुशवाहा, मनोज जैन, आकाश हार्डवेयर, सोनू यादव, कस्सी पटेल, राजेन्द्र यादव, रिंकू आदि उपस्थित रहे।

सागर में बन रहा है प्रदेश का पहला गौ सेवाधाम हॉस्पिटल

विचार समिति और धर्म रक्षा संगठन ने किया 500 पौधों का रोपण

सागर, देशबन्धु। गौ माता की रक्षा और पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सागर की धरती पर प्रदेश का पहला गौ सेवाधाम हॉस्पिटल ग्राम पगारा भैंसा में बनाया जा रहा है। यह हॉस्पिटल धर्म रक्षा संगठन सभी के सहयोग से संचालित करेगी। इसी तारतम्य में विचार समिति और धर्म रक्षा संगठन द्वारा 500 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर नरयावली विधायक प्रदीप लारिया ने कहा कि यह दोनों संस्थाएं गौ माता एवं प्रकृति संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। इस धाम की सफलता के लिए हम पूर्ण रूप से सहयोग करेंगे। विचार समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि गौ सेवाधाम हॉस्पिटल जैसी सेवा कोई और नहीं। हॉस्पिटल परिसर में विचार समिति एवं सहयोगी संस्थाओं द्वारा 500 पौधों का रोपण किया गया। जिसमें अमरूद, आंवला, सीताफल, नीबू, अशोक, जासौन, टिकोमा आदि के पौधे लगाए गए। धर्म रक्षा संगठन के अध्यक्ष सूरज सोनी ने कहा कि अभी तक प्रदेश में गौ शालाएं तो हैं लेकिन गौ हॉस्पिटल नहीं हैं। इसके प्रथम चरण बाउंड्री वाल का कार्य पूर्ण हो चुका है। द्वितीय चरण में टीन शेड बनवाएंगे और जल्द ही सभी के सहयोग से गायों के इलाज के लिए हॉस्पिटल शुरू किया जाएगा। अशोक सिंह बामोरा ने कहा कि गौ सेवा धाम हॉस्पिटल के लिए हम पूर्ण रूप से सहयोग करेंगे। समिति मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा कि वृक्षारोपण में फलदार पौधों को लगाया गया ताकि निकट भविष्य में गौ सेवा धाम हॉस्पिटल का संचालन पेड़ों में लगने वाले फलों के विक्रय से किया जा सके।

सागर की धरती पर बन रहा प्रदेश का पहला गौ सेवा धाम हॉस्पिटल

गौ सेवा धाम हॉस्पिटल जैसी सेवा कोई और नहीं: कपिल मलैया

सागर। गौ माता की रक्षा और पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सागर की धरती पर प्रदेश का पहला गौ सेवा धाम हॉस्पिटल ग्राम पगारा, भैंसा में बनाया जा रहा है। यह हॉस्पिटल धर्म रक्षा संगठन सभी के सहयोग से संचालित करेगी। इसी तारतम्य में विचार समिति और धर्म रक्षा संगठन द्वारा ५०० पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर नरयावली विधायक प्रदीप लारिया ने कहा कि यह दोनों संस्थाएं गौ माता एवं प्रकृति संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। इस धाम की सफलता के लिए हम पूर्ण रूप से सहयोग करेंगे। विचार समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि गौ सेवा धाम हॉस्पिटल जैसी सेवा कोई और नहीं। हॉस्पिटल परिसर में विचार समिति एवं सहयोगी संस्थाओं द्वारा ५०० पौधों का रोपण किया गया। जिसमें अमरूद, आंवला, सीताफल, नीबू, अशोक, जासौन, टिकोमा आदि के पौधे लगाए गए। उन्होंने कहा कि विश्व का लगभग ३३ प्रतिशत भाग रेगिस्तान है एवं नए शोधों से पता चला है कि इसमें निरंतर वृद्धि हो रही है। हम सभी को इस समस्या से निपटने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाकर उनका संरक्षण करें। धर्म रक्षा संगठन के अध्यक्ष सूरज सोनी ने कहा कि स्व. हरनाम सिंह राठौर हमारे प्रेरणा स्रोत हैं उनकी स्मृति में हॉस्पिटल परिसर में कल्पवृक्ष का पौधा लगाया गया है। अभी तक प्रदेश में गायों की गौ शालाएं तो हैं लेकिन गौ हॉस्पिटल नहीं है। सागर जिले में कहीं भी गायों की दुर्घटना होती है तो उन्हें लाकर उनका इलाज होगा एवं दुर्घटना में गाय का पैर भी यदि

कट जाता है तो दिल्ली के संस्थान से कृत्रिम पैर मंगाकर लगाया जाएगा। इसके प्रथम चरण बाउंड्री वाल का कार्य पूर्ण हो चुका है। द्वितीय चरण में टीन शेड बनवाएंगे और जल्द ही सभी के सहयोग से गायों के इलाज के लिए हॉस्पिटल शुरू किया जाएगा। अशोक सिंह बामोरा ने कहा कि गौ सेवा धाम हॉस्पिटल के लिए हम पूर्ण रूप से सहयोग करेंगे। विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि समिति ने सभी सहयोगियों से अपील की कि परिसर में पौधा लगाकर गौ सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण में अपना सहयोग दें। इस कार्य में सभी विचार सहयोगियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। उन्होंने सभी का आभार माना। समिति मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा कि वृक्षारोपण में फलदार पौधों को लगाया गया ताकि निकट भविष्य में गौ सेवा धाम हॉस्पिटल का भरण पोषण पेड़ों में लगने वाले फलों के विक्रय से किया जा सके। इस अवसर पर रोटरी क्लब से अनिल चंदेरिया, दीप्ती चंदेरिया, इंजीनियर फोरम से राजेश सैनी, पं. ओमप्रकाश मिश्रा, सौरभ रांधेलिया, प्रीति मलैया, इंदु चौधरी, अखलेश समैया, धवल कुशवाहा, मनोज जैन, रिंकू यादव आदि उपस्थित थे।

हमारे सहयोगी

O.P. Jindal Global University — A Private University Promoting Public Service
TISS — Tata Institute Of Social Sciences
UPES — University of the Future
BHU — Banaras Hindu University

Quest Alliance
Goodera
ConnectAID — The International Solidarity Network

learning initiatives for india
meraadhikar — one nation. one platform
Lyvefresh®

TechPose
Bennett University — Times of India Group
Academia for Sustainable Development
Policy Research Foundation — PRF

NCD Navjivan Center for Development — We Design Your Growth Story
danamojo — experience the magic of giving
IIMT Group of Colleges — Greater Noida • Meerut — Aim For Excellence

Dr. H.S. Gour University Sagar [M.P.]
The Art of Living®
Rotary Club of Sagar

STEP-AHEAD — Fellowship Preparation-Support — MGNF, Gandhi Fellow, Urban Fellow, SBI Youth, TFI etc.
Indian Institute of Management Rohtak
Bharat Vikas Parishad Sagar [M.P.]
ISRN

Edu-Vitae Services — Join! Learn! Achieve!
India is Us! — i2u Social Foundation
संजीवनी बाल आश्रम
For HER Foundation — Hygiene | Empowerment | Respect

॥ विचार समिति ॥
(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्र में दान देकर इस मुहिम को आगे बढाने में सहयोग करें ।
दान राशि बैंक खाते में डालने हेतू जानकारी इस प्रकार है ।

Bank - State Bank of India
Bank A/c Name - Vichar Samiti
Account No. - 37941791894
IFSC Code - SBIN0000475

Paytm/Phonepe/Googlepay आदि से दान करने के लिए QR कोड को स्कैन करे ।

VICHAR SAMITI
powered by: danamojo
cfpay.dmvicharsamiti@icici
UPI UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

-: संपर्क :-

+91 95757 37475
linkedin.com/in/vichar-samiti
samiti.vichar@gmail.com
www.vicharsamiti.in
Sagar, Madhya Pradesh India

संपादक - आकांक्षा मलैया, प्रबंधक व प्रकाशक - विचार समिति, स्वामित्व - विचार समिति, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर (म.प्र.), पिन-470002
मुद्रण - तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट, पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली, रामपुरा वार्ड, सागर